कानपुर के सर्वधर्म सम्मेलन में सार्वभौम मानव धर्म का प्रतिपादन

वैसे तो सर्वधर्म सम्मेलन तो देशभर में होते ही रहते हैं। लेकिन कानपुर के करौली ग्राम में 23 अप्रैल को होने जा रहा सर्वधर्म सम्मेलन अनोखा है। इसमें विभिन्न धर्मों के विशेषज्ञ तो एकत्रित होंगे ही लेकिन वे अपने–अपने धर्मों के नीति उपदेशों पर चर्चा कर इस बात को समझने का प्रयास करेंगे कि सार्वभौम मानवधर्म का अर्थ क्या है ? इसी कड़ी में बहुराष्टीय आईटी कंपनी से त्यागपत्र देकर पूना निवासी श्रीराम नरसिम्हन और **हिंदुस्तान लीवर कंपनी** से त्यागपत्र देकर उनकी पत्नी श्रीमती गौरी ने अध्ययन–षोध का कार्य **अभ्युदय** संस्थान**, रायपुर** में १.५ वर्ष रहकर किया ।

इस सम्मेलन की अवधारणा के पीछे मध्यस्थ दर्षन सह–अस्तितववाद के प्रणेता श्री ए.नागराज हैं जिन्होंने 25 वर्षों तक (1950 **से** 1975) गहन साधना कर **सम्पुर्ण अस्तित्व, वास्तविकता को "जैसे है, वैसे ही" समझा, अनुभव किया, मानव के प्रयोजन को समझा,** मानवीय सूत्रों का अनुभव किया, तथा स्थिर मानवीय आचरण की पहचान कर सार्वभौम मानव धर्म की व्याख्या प्रस्तुत की है जिसके आधार पर मानवीय आचरणसूत्र, मानवीय आचार संहिता, मानवीय संविधान तथा सार्वभौम व्यवस्था की सूत्र व्याख्या संभव हुई है। **इस दर्शन में मानव के सभी प्रश्नों का, सभी समस्याओं के समाधान का दावा हैं| डा अब्दुल कलाम, होमी भाभा, सी.वी. रमण, तिबत के प्रधान मंत्री श्री सामदोंग रिनपोचे जैसे विशेषग्य श्री नागराज जी से मिल चुके है| सम्मलेन मे स्वेच्छा पूर्वक आने वालों का स्वागत है| आगमन हेतु सम्मेलन वेब साईट** www.madhyasth.info **देखें, फोन संपर्क:** 09907794154, 09403765359 **| भोजन एवं ठहरने की व्यवस्था की जायेगी|**